

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

## भाग-I (गणित ज्योतिष)

- 05 मई 2012 को दोपहर 12 बजे चेन्नई में जन्में जातक का लग्न निर्धारण करें तथा जन्मांग में सभी ग्रहों की स्थिति को दर्शायें।
- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें :-  
(क) विंशोत्तरी दशा शेष की गणना करें यदि चंद्रमा 9रा. 8 अंश 10 मिनट पर स्थित है।  
(ख) 76ई30 तथा 70ई40 के लिए स्थानीय समय की गणना करें यदि भा.मा.स. 8:30 सांय है।  
(ग) घटी विघटी में बदले :-  
i) 8 बजकर 20 मिनट 15 सेकण्ड ii) 16 बजकर 30 मिनट 20 सेकण्ड
- षड्वर्ग की व्याख्या करें तथा नीचे दिए जन्मांग के लिए होरा, नवांश व दशांश का निर्धारण करें।  
लग्न-कन्या 22:02, रवि-मिथुन 23:04, चंद्र-कुम्भ 09:15, मंगल-कर्क 05:25  
बुध-मिथुन 02:06, बृहस्पति-कर्क 12:10, शुक्र-मिथुन 08:19, शनि(व)-तुला 21:21, राहु-धनु 03:15, केतु-मिथुन 03:15
- निम्न के उत्तर दें।  
(क) चार प्रधान बिन्दु  
(ख) अयनाश, (ग) सायन वर्ष (घ) सम्पातिक समय
- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।  
(क) स्थान का अक्षांश (ख) निरायन प्रणाली (ग) मानक समय  
(घ) अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा (ङ) भूचक्र

## भाग-II (फलित ज्योतिष)

- बारह लग्नों के योग कारक ग्रह कौन से हैं? इन्हें योग कारक ग्रह क्यों कहा जाता है? व्याख्या करें।
- लग्न-धनु 2:59, सूर्य-कन्या 0:29, चन्द्र-मकर 17:36, मंगल-सिंह 24:09  
बुध-कन्या 09:11, बृहस्पति-सिंह 19:02, शुक्र-तुला 03:04, शनि-सिंह 22:11  
राहु-धनु 17:53  
उपरोक्त जन्मांग की सहायता से निम्नलिखित के उत्तर दें।  
(क) कौन से ग्रह लग्न पर दृष्टि डालते रहें हैं?  
(ख) जन्मांग में उपस्थित दो योगों के नाम बतायें।  
(ग) कौन सा ग्रह मूल त्रिकोण राशि पर स्थित है?  
(घ) अग्नि तत्त्व राशि में स्थित ग्रहों के नाम बतायें।  
(ङ) अपने शत्रु राशि पर स्थित ग्रहों के नाम बतायें।  
(च) इस लग्न के योग कारक ग्रह कौन से हैं?  
(छ) कौन से ग्रह अपनी राशि को देखते हैं?  
(ज) कौन से ग्रह अपनी राशियों पर स्थित हैं?  
(ञ) कौन से ग्रह त्रिषडाय पर दृष्टि डाल रहे हैं?  
(ट) मारक ग्रहों के नाम बतायें।
- कैदार योग, पाप-कर्तरी योग, गज केसरी योग तथा वासी योग का उदाहरण के साथ वर्णन करें।
- निम्नलिखित की व्याख्या करें :-  
(क) जन्म समय संशोधन क्या है? (ख) सिंह, तुला तथा मकर के गुण धर्म बतायें।
- चंद्रमा के द्वादश भावों में स्थिति के सामान्य फल क्या हैं?